

सठोरना स.क्रि. (देश.) एकत्र या संचित करना।

सठोरा पुं. (तत्.) शिशु के जन्म के समय सोंठ का बना पुष्टिकारक लड्डू जो प्रसूता को खिलाया जाता है।

सड़क स्त्री. (तद्.) वह कच्चा या पक्का मार्ग जिस पर गाड़ियाँ, मोटर आदि चलते हैं, चौड़ा मार्ग, पथ, रास्ता।

सड़न स्त्री. (तद्.) 1. सड़ने की अवस्था या क्रिया 2. सड़ने से उत्पन्न दुर्गंध, सड़ाँध।

सड़ना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी चीज का गलना, संयोजक तत्वों का अलग-अलग हो जाना 2. किसी पदार्थ में ऐसा विकार होना जिससे उसके अंग अलग हो जाए और दुर्गंध आने लगे 3. किसी पदार्थ में खमीर उठना या आना 4. दुर्दशा में पड़ा रहना।

सड़सठ वि. (तद्.) साठ से सात अधिक की संख्या, (67)।

सड़ाँध स्त्री. (तद्.) सड़ी हुई चीज से निकलने वाली दुर्गन्ध।

सड़ान स्त्री. (तद्.) सड़ने की क्रिया या भाव, सड़न।

सड़ाव पुं. (तद्.) सड़ने की क्रिया अथवा भाव, सड़न।

सड़ासड़ अव्य. (अनु.) 'सड़-सड़' की ध्वनि के साथ, जैसे- सड़ासड़ कोड़े या बेंत लगाना।

सड़ियल वि. (तद्.) 1. सड़ा हुआ, गला हुआ, खराब 2. नीच, तुच्छ जैसे- सड़ियल आदमी।

सत पुं. (तत्.) 1. किसी पदार्थ का सार, मूल तत्व, जीवनी शक्ति 2. अच्छा मनुष्य, सद्गुण संपन्न टि. यथार्थ, सत्यतापूर्ण 3. परमात्मा, ब्रह्म 4. आत्मा, धर्मात्मा 5. सम्मानीय, आदरणीय 6. शत, सौ।

सतकार पुं. (तत्.) आदर-सम्मान, सत्कार।

सतखंडा वि. (तत्.) सात खंडों या मंजिलों वाला (मकान या महल)।

सतगुरु पुं. (तत्.) अच्छा गुरु, परमात्मा, ईश्वर।

सतत वि. (तत्.) निरंतर चलता रहने वाला अव्य. निरंतर, हमेशा, सर्वदा, नित्य, शाश्वत, सदा।

सतत्व पुं. (तत्.) स्वभाव, प्रकृति।

सतनजा पुं. (तत्.) सात भिन्न प्रकार के अनाजों का मिश्रण वि. अनेक प्रकार के तत्वों, पदार्थों आदि से मिल-जुल कर बना हुआ।

सतपदी स्त्री. (तत्.) सप्तपदी नामक वैवाहिक कृत्य, भाँवरे।

सतपुतिया स्त्री. (तद्.) एक प्रकार की तरौई जिसमें प्रायः पाँच या सात फलियाँ एक साथ गुच्छे के रूप में लगती हैं।

सतभाव पुं. (तत्.) 1. सद्भाव, अच्छा भाव 2. सरलता, सीधापन 3. सचाई, सत्यता।

सतमासा वि. (तद्.) वह बच्चा जो गर्भ के सातवें महीने में जनमा हो पुं. एक रस्म जो गर्भाधान के सातवें महीने में होती है।

सतयुग पुं. (तत्.) सत्ययुग, चार युगों में पहला युग।

सतयुगी वि. (तत्.) 1. सतयुग के समय का 2. बहुत पुराना, बहुत प्राचीन 3. बहुत ही सच्चा, सात्विक या सीधा।

सतरंगा पुं. (तद्.) इन्द्रधनुष वि. जिसमें सात रंग हो, सात रंगों वाला।

सतरंजी पुं. (तद्.) शतरंज बाज स्त्री. शतरंज खेलने की बिसात, रंग-बिरंगी दरी।

सतर पुं. (अर.) 1. छिपाव 2. स्त्री या पुरुष के गुप्त अंग, गुह्य इन्द्रिय स्त्री. पंक्ति, रेखा, लकीर वि. 1. वक्र, टेढ़ा 2. क्रोधपूर्ण अव्य. जल्दी या तेजी से।

सतर्क वि. (तत्.) तर्कयुक्त, तर्कपूर्ण, तर्ककुशल, विवेकशील, सचेत, सावधान।

सतर्कता स्त्री. (तत्.) 1. सतर्क होने की अवस्था, गुण या भाव 2. सावधानी, होशियारी 3. तर्क कुशलता।